Act of Anonymous

जिसे हम जान नहीं पाए है उसका कार्य कैसा हो सकता है, क्योंकि हमने नाम दिया है, हमने कहा है कोई है पर उसका कोई नाम नहीं है, Anonymous है, इसलिए कोई है, भले नाम ना हो पर कार्य तो है, अक्सर हम पूछते है, यह पेंटिंग किसने बनायी, सुगंध अच्छी है यह फूल कोन से पोधे का है, यह रंगोली किसने बनायी, इसलिए हम कहते है नाम हमें भले ना पता हो पर कोई है जिसने पेंटिंग बनायी है, पोधे का नाम भले पता ना हो पर फूल की ख़ुश्बू अच्छी है, फूल किसी पोधे का है, नाम भले पता ना हो पर दिवाली पर रंगोली किसिने बनायी है, इसलिए कार्य करने के लिए नाम होना ज़रूरी नहीं है, तो जिसका कोई नाम नहीं है वह कार्य तो कर सकता है, अगर उसके कार्य में हमें सुंदरता दिखे तो कहेंगे पेंटिंग अच्छी बनायी है बनाने वाले का नाम क्या है, यह फूल की सुगंध अच्छी है, कोन से पोधे का है... पता करने पर नाम मालूम हो जाता है, यह पेंटिंग पिकासो की है, यह फूल जस्मिन का है, यह रंगोली श्रिता ने बनायी है, कार्य है तो उसे करने वाला भी है, पर कोई है जो कार्य तो करता है पर हमें नाम का पता नहीं, ‘ वह ’ पेंटिंग बनाने वाले को बनाता है, क्योंकि पेंटिंग बनाने वाले का नाम है तो पेंटिंग जो बनाता है उसको बनाने वाले का नाम भी हो सकता है, फूल तो जस्मिन के पोधे ने खिलाया पर जस्मिन के पोधे को बनाने वाला कोई है, उसका नाम जानने की कोशिश की पर नाम हमें पता ना चला क्योंकि ‘ वह ‘ कहता **नहीं** मेने किया, और ‘ वह ‘ दिखता भी नहीं क्योंकि वह पूर्ण है, इसलिए हमने उसे भगवान नाम दे दिया, पर यह हम जानते है कि उसका नाम भगवान भी नहीं है, यह जुठ बहुत गहराय में छुपा हुवा है, इसलिए अगर पेंटिंग बनाने वाले को भगवनने बनाया है तो पेंटिंग बनाने वाला क्यों कहता है की यह पेंटिंग मेने बनायी है, पेंटिंग तो वो तब बना पाया जब भगवान उसे बनाया, उसे कहना चाहिए पेंटिंग भगवानने बनायी, पर पेंटिंग बनाने वाले की गहराय में कही यह सत्य भी छुपा है की अभी यात्रा अधूरी है, उसका नाम भगवान भी नहीं है, इसलिए वो कहता है की पेंटिंग मेने बनायी, उसका नाम भगवान भी नहीं है इसलिए हमने अपने आप को नेम दे दिया, हो सकता है यह बात कोई भूल गया हो पर ‘ वह ‘ बहोत दयालु है, उसने वापस याद दिला दिया यात्रा अभी अधूरी है, हमारी लाइफ़ का अल्टिमट पर्पस अभी पूरा नहीं हुवा, और जब यात्रा पूरी होगी तब आप कहेंगे उसका कोई नाम नहीं है, उसका नाम भगवान भी नहीं है, फिर कोई कार्य भी नहीं दिखेगा और करने वाला भी नहीं, क्योंकि फिर ‘ वही ’ दिखेगा, जिसका कोई नाम नहीं है, तब आप कहोगे Anynomous का कोई ऐक्ट नहीं है, ‘ धिस इस द ऐक्ट ओफ़ अनॉनमस ’ यही है ‘ Act of Anonymous ’ .....

Aasthit